ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-11-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-11-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-11-13	2024-11-14	2024-11-15	2024-11-16	2024-11-17
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	21.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	7.0	7.0	7.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	55	50	48	45
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	70	70	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	5	7	8
पवन दिशा (डिग्री)	350	340	320	320	330
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 8 से 12 नवंबर तक बारिश नहीं होने और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0-21.0 डिग्री सेल्सियस और 11.0-12.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवाएँ 2-3 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से दक्षिण, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम-दक्षिण और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) में उपलब्ध ऐप "मेघदूत" तथा बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट के लिए ऐप "दामिनी" प्रयोग कर सकते है। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.35-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 08.11.2024 से 14.11.2024 के दौरान कम वर्षा और सामान्य अधिकतम न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है, इसलिए कटी हुई फसलों को सुखाकर अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए, जबकि रबी फसलों की बुवाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा शेष बुवाई महीने के प्रथम सप्ताह तक कर देनी चाहिए।
मसूर की दाल	पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा शेष बुवाई महीने के प्रथम सप्ताह तक कर देनी चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	वर्षा आधारित परिस्थितियों में तथा निचली पहाड़ियों में बुवाई पूरी कर लेनी चाहिए।
सरसों	वर्षा आधारित परिस्थितियों में तथा निचली पहाड़ियों में बुवाई पूरी कर लेनी चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	पकी हुई फसल को काटा जाना चाहिए और उचित सुखाने और थ्रेसिंग के बाद अच्छी तरह से संग्रहीत किया जाना चाहिए।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	पकी हुई फसल को काटा जाना चाहिए और उचित सुखाने और थ्रेसिंग के बाद अच्छी तरह से संग्रहीत किया जाना चाहिए।
गेहूँ	वर्षा आधारित परिस्थितियों में, मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में बुवाई महीने के पहले सप्ताह में की जानी चाहिए, जबकि घाटियों/निचली पहाड़ियों के मामले में दूसरे सप्ताह में।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	नर्सरी में प्याज की स्थानीय किस्मों के बीज बोना चाहिए।
लहसुन	घाटी में लहसुन की बुवाई की जानी चाहिए।
मूली	बीज उत्पादन हेतु मूली, शलजम एवं गाजर की चयनित जड़ की रोपाई नये खेत में करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) का टीका लगाया जाना चाहिए। खुरपका-मुंहपका रोग की पहचान लाल आंखें, तेज बुखार, कम उत्पादकता और भोजन लेने की क्षमता, मुंह के छाले, पशुओं के उपचार में देरी के कारण पैर में घाव से होती है। संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए।
गाय	पशुओं को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) का टीका लगाया जाना चाहिए। खुरपका-मुंहपका रोग की पहचान लाल आंखें, तेज बुखार, कम उत्पादकता और भोजन लेने की क्षमता, मुंह के छाले, पशुओं के उपचार में देरी के कारण पैर में घाव से होती है। संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	देर से बोई जाने वाली खरीफ की फसलें जैसे चावल, उड़द, मूंग, सोयाबीन और तिल की कटाई कर लेनी चाहिए ताकि रबी की फसलें समय पर बोई जा सकें।